कृषि विज्ञान केंद्र, उज्जैन

(राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर)

विक्रम नगर रेलवे स्टेशन के सामने, उज्जैन 456010

अप्रैल माह हेतु समसामयिक कृषि सलाह

फसलोत्पादन

- ✓ रबी फसलों की कटाई उपरांत खाली खेतों मे मृदा परीक्षण हेतु नमूने निकालकर गहरी जुताई करे। नमूने इकट्ठा करने की विधि https://kvkujjain.org/video पर देखे ।
- ✓ ग्रीष्मकालीन मूंग, उड़द मे आवश्यकतानुसार निराई गुड़ाई व सिंचाई करे। हरे चार हेतु लगाई फसलों की कटाई तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करे। खलिहान मे एकत्रित अनाज को चूहे एवं पक्षियों से बचाए रिजके की बीज वाली फसल मे मध्य अप्रैल के बाद कटाई करे।
- ✓ अनाज को भंडारण पूर्व उचित नमी तक सुख ले। पुरानी कोठियों तथा बोरियों की सफाई कर उन पर मेलथियानं या डी.डी.व्ही.पी के घोल का छिड़काव करे ।
- ✓ कृषि यंत्रों, मोटर पम्प, व डीजल इंजन को वर्षा पूर्व ऑइलिंग, ग्रीसिंग आदि कर सुरक्षित छायादार स्थान पर रखे ।
- ✓ जल एवं मृदा संरक्षण हेतु मेड़बंदी तथा अन्य कार्य करे।

उद्यानिकी

- ✓ फलोद्यान में पककर तैयार हल्दी में सिंचाई कर उचित नमी आने पर अप्रैल के अंतिम सप्ताह में खुदाई करें तथा छायादार स्थान पर खाई बनाकर रेत की तह लगाकर भण्डारण करें।
- ✓ आम, नींबू तथा पपीता के बगीचों में नियमित सिंचाई तथा पौध सरंक्षण के उपाय अपनायें।
- ✓ पपीता की नर्सरी तैयार करे । रजनीगंधा के कानों को बोनी करे ।
- ✓ टमाटर, बैंगन, मिर्च तथा भिण्डी की फसल में अनुसंशित पौध सरंक्षण उपाय करें तथा फलबेधक कीटों का नियत्रंण करें।

पशुपालन

- ✓ प्रति प्रौढ़ गाय-भैंस को 50 ग्राम एवं छोटे पशुओं को 25 ग्राम खनिज लवण प्रतिदिन दें।
- ✓ भेड़ एवं बकरियों को परजीवी नाशक दवाई पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार समय-समय पर दें।
- ✓ पशुओं को तेज धूप से बचायें तथा पशुओं को साफ व ताजा पानी पिलायें।
- ✓ पशुओं को बाह्य परजीवियों से बचाने के लिए, बाह्य परजीवी नाशक दवा जैसे ब्यूरोक्स, क्लीनर जहर से स्नान तथा पशु बाड़े में भी दवा का छिड़काव करें।